हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 17)(तितली)

(कक्षा 6)

प्रश्न 1:

कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

उत्तर 1:

1. रंग–बिंरगे पंख तुम्हारे, सबके मन को भाते हैं।
1. कलियाँ देख तुम्हें खुश होतीं फूल देख मुस्काते हैं।

2. पास नहीं क्यों आती तितली
2. दूर–दूर क्यों रहती हो?

3. फूल–फूल के कानों में जा
3. धीरे–से क्या कहती हो?

4. इस डाली से उस डाली पर
4. उड़–उड़कर क्यों जाती हो?

5. हमसे क्यों शरमाती हो?
5. फूल–फूल का रस लेती हो,

प्रश्न 2:

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

उत्तर 2:

भाते हैं	प्रसन्न होना
खुश होना	लुभाना
डाली	लजाना
शरमाना	अच्छे लगते हैं
ललचाना	शाखा

प्रश्न 3:

निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

उत्तर 3:

1. रंग–बिंरगा
1. बगिया में रंग–बिरंगे फूल खिले हैं ।

2. कानों में कहना
2. राम ने अपने मित्र के कानों में धीरे से कुछ कहा ।

3. हाथ न आना
3. समय एक बार निकल जाने पर फिर हाथ नहीं गाता है ।

4. शरमाना
4. तितली पकड़ने की कोशिश करने पर शरमा कर भाग जाती है ।

प्रश्न 4:
कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो
उत्तर 4:
1. तितली के पंख कैसे होते हैं ?
1. तितला के पंख रंग–बिरंगं होते हैं।

2. कविता में तितली को क्या कहकर बुलाया गया है ?
2. कविता में तितली को रानी कहकर बुलाया गया है

3. कलियाँ और फूल तितली को देखकर क्या करते हैं ?
3. कलियॉ दंखकर खुश होती हैं और फूल देखकर मुस्काते हैं ।

4. तितली उड़–उड़कर कहाँ जाती है ?
4. तितली उड़–उड़कर इस डाली से उस डाली पर जाती है ।